जन संचार एवं मीडिया प्रकोष्ठ

उ0प्र0 वॉटर सैक्टर रीस्ट्रक्चरिंग परियोजना, पैक्ट

वाल्मी भवन, सिंचाई विभाग,

उत्तर प्रदेश

विश्व बैंक पोषित परियोजना यूपीडब्लूएसआरपी के कार्यो को करें समय से पूरा।

कम जल से अधिक उपज प्राप्त करने हेतु फार्मर वाटर स्कूलों को बनायें प्रभावी।

नहरों का प्रबन्ध किसानों को सौपने हेतु जल उपभोक्ता समितियों का कराये निर्वाचन।

डॉ0 अनूप चन्द्र पाण्डेय, मुख्य सचिव।

लखनऊ : दिनांक– 12 जुलाई, 2018

उत्तर प्रदेश वाटर सेक्टर रिस्ट्रक्चरिंग परियोजना द्वितीय चरण के कार्यो को मानको के अनुरूप समय सीमा के अन्तर्गत पूर्ण करें। यह निर्देश मुख्य सचिव डॉ0 अनूप चन्द्र पाण्डेय ने आज सिंचाई विभाग की विश्व बैंक पोषित परियोजना यूपीडब्लूएसआरपी विश्व बैंक टीम के साथ बैंठक में सिंचाई विभाग के अधिकारियो को दिये।

मुख्य सचिव ने हर खेत तक पानी पहुॅचाने के सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि किसानों को समय से उनके खेत में पानी पहुॅचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। आपने कम जल से अधिक उत्पादन प्राप्त करने के लिए परियोजना द्वारा एफ0ए0ओ0/कृषि विभाग के सहयोग से संचालित फार्मर वाटर स्कूल को और अधिक प्राभवी बनाने के सख्त निर्देश दिये।

सरकार के सहभागी सिंचाई प्रबन्धन (पिम) कार्यक्रम को जन सहभागिता के आधार पर संचालित करने हेतु मुख्य सचिव ने जल उपभोक्ता समितियों के समय सीमा के अन्तर्गत निर्वाचन कराने के कड़े निर्देश देते हुए कहा कि जल उपभोक्ता समितियों के गठन से नहरों का पूरा प्रबंध किसानो के द्वारा किया जाएगा। जो उ0प्र0 सरकार का एतिहासिक कदम होगा। मुख्य सचिव ने अधिकारियो को हिदायत दी कि वे विश्व बैंक के अधिकारियों के साथ बेहतर ताल मेल बनाकर परियोजना प्रगति हेतु कार्य करे। उन्होने विश्व बैंक अधिकारियों से भी अपेक्षा कि वे ससमय पूर्ण सहयोग प्रदान करे, जिससे परियोजना के उद्देश्यो की पूर्ति की जा सके।

सचिव सिंचाई एवं अध्यक्ष, पैक्ट श्री राजमणि यादव ने परियोजना की प्रगति प्रस्तुत करते हुए बताया कि शारदा सहायक संगठन के अन्तर्गत हैदरगढ़ शाखा प्रणाली (कि0मी0 22.98 से टेल तक) के पुर्नस्थापना कार्य पूर्ण कराया गया है तथा बेतवा संगठन के ललितपुर जनपद में रोहणी, जामनी, सजनम बांध नहर प्रणाली के पुर्नस्थापना का 60 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका हैं। इसी तरह समान्तर निकली गंगा नहर के लाइनिंग का लगभग 45 प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कम पानी में अधिक उपज प्राप्त करने के लिए कृषि विभाग/एफ0ए0ओ0 के माध्यम से परियोजना क्षेत्र में 240 फार्मर वाटर स्कूल स्थापित कर लिये गये है तथा 1160 फार्मर वाटर स्कूल स्थापित करने का कार्य प्रगति है। इसी प्रकार बुन्देलखण्ड़ के बेतवा संगठन के 711 जल उपभोक्ता समितियों का निर्वाचन कराकर 04 नहरो छपरौनी, गढौली, चौका व तिसगना का प्रबंध विश्व बैंक की टीम के समक्ष जल उपभोक्ता समितियों को सौपा गया है। शारदा सहायक संगठन व रामगंगा संगठन के खण्ड़ो में निर्वाचन प्रक्रिया संचालित है।

विश्व बैंक टीम लीडर अहमद साउकी ने उ0प्र0 सरकार से मिल रही सहयोग की सराहना करते हुए परियोजना की प्रगति पर सन्तोष व्यक्त किया।

बैंठक में तकनीकी सलाहकार, पैक्ट श्री एस0सी0 शर्मा, मुख्य अभियन्ता, पैक्ट श्री ए0के0 सिंह सेंगर सहित विश्व बैंक दल के सदस्यों व विभिन्न विभागों के अधिकारियो/ विशेषज्ञों ने प्रतिभाग किया।

सम्पर्क सूत्रः मीडिया विषेशज्ञ, पैक्ट मो0-9412205971
email-isbr27@gmail.com फैक्स 0522-2237664